हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 320 : जौनपुर, मंगलवार 22 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

बाबू जी ने जिसके लिए कुर्सी छोड़ी, वह सपना अब पूरा हुआ : योगी

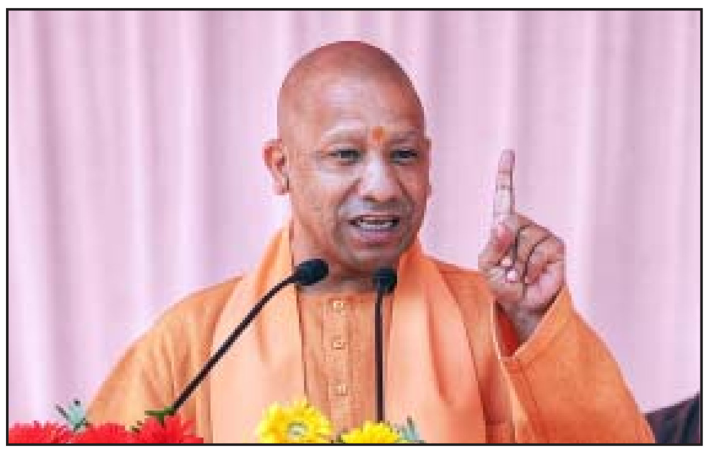

एजेन्सी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने आज अलीगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर कहा 2024 की जनवरी में 500 वर्षों का इंतजार खत्म करके भगवान राम अपने मंदिर में विराजमान होंगे। बाबू जी आत्मा भी कहेंगी कि 1992 में जिसके लिए कुर्सी छोड़ी, वह सपना अब पूरा हुआ। योगी ने कहा कि यूपी में डबल इंजन की सरकार है और विकास हो रहा है। काशी में कशी विश्वनाथ धाम बन रहा है। बाबू जी के नाम से कैंसर संस्थान का नाम है। बुलंद शहर में मेडिकल कॉलेज भी बाबू जी कल्याण सिंह के नाम निर्माण कार्य चल रहा है। यहां प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। बीजेपी कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मना रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंच से कार्यकर्ताओं से कहा कि बाबू जी की द्वितीय पुण्यतिथि को हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मना रहे हैं। बाबूजी के द्वारा प्रदेश के विकास व सम्मान के लिए किये गए कार्यों के लिए श्रद्धांजलि देते हैं। 1991 में जब पहली बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो प्रदेश के लोगों को इसका एहसास हुआ था। आज नाग पंचमी व विश्व उधमिता दिवस है। सभी व्यापारियों को बधाई। 1991 में बाबू जी ने यहां तालानगरी का गठन किया था। 2017 से अब सरकार ने विकास पर काम किया है। परम्परा के उद्योग को बढ़ाने के लिए काम किया है। वन डिस्ट्रिकट वन प्रोडेक्ट पर काम किया है।

इस मौके पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने भाषण की शुरुआत भारत माता की जय के साथ की। उन्होंने कहा कि यूपी की 80 सीट भाजपा की झोली में डालने के लिए बोलिये जय श्री राम। भाजपा के वरिष्ठ नेता व राम भक्त कल्याण को श्रद्धांजलि देने आया हूं। देश के करोड़ों कार्यक्रताओं की और से श्रद्धांजलि देता हूं। जो लोग जानते हैं पिछड़े और गरीबों के प्रति कल्याण सिंह संवेदनशील थी। कोरोना के कारण मैं अस्पताल में था। जब राम मंदिर की नींव पीएम मोदी ने रखी थी।

अमित शाह ने कहा कि तब बाबू जी ने फोन पर कहा था मेरा जीवन धन्य हो गया। बाबूजी ने पिछड़ों को आगे बढ़ाया। गरीबों का कल्याण किया, अब यही मोदी जी कर रहे हैं। आवास, सिलेंडर दिए जा रहे हैं। मुफ्त राशन दिया जा रहा है। बाबू जी ने कभी जाति की बात नहीं की। लेकिन उन्होंने पिछड़ों को आगे बढ़ाया। अब मोदी भी यही कर रहे हैं। पिछड़ी जातियों को लाभ मिल रहा है। नीट में दाखिला दिया जा रहा है, पिछड़ा वर्ग से समान अधिकार दिया। मोदी ने अब गरीब कल्याण को आगे बढ़ाया। तीन कामों को किया। कांग्रेस आजादी के बाद मंदिर को लटका रही थी, भटका रही थी। पीएम मोदी ने जजमेंट लाकर बिना एक खून का कतरा बहाए मंदिर की नींव रखी। बाबू जी के जीवन में एक समय ऐसा आया कि बाबू जी ने कहा कि मैं गोली नहीं चलाऊंगा। भले कुर्सी चली जाए।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर शाह बोले, राम मंदिर और पिछड़ों के लिए बाबूजी के सपनों को मोदी ने पूरा किया

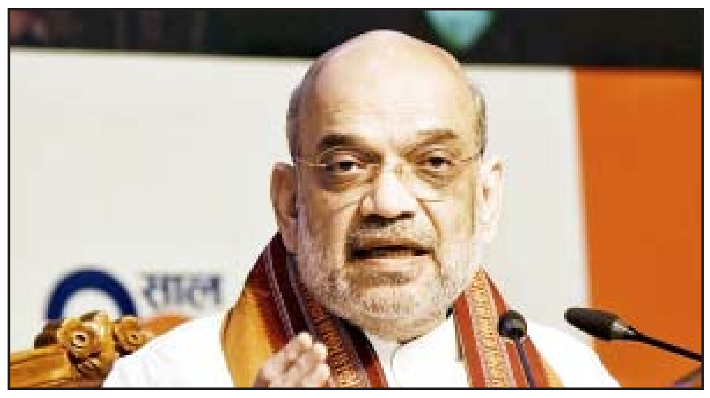

एजेन्सी

अलीगढ़। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पिछड़ों, गरीबों के कल्याण और राम मंदिर निर्माण के बाबूजी (कल्याण सिंह) के सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। सोमवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा जब बाबूजी उप्र के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को गति दी, गरीब कल्याण के भाजपा के विचार को जमीन पर उतारा और सामाजिक सद्भाव बिगाड़े बगैर पिछड़े समाज के लोगों के कल्याण को अपना लक्ष्य बनाया। मुझे खुशी है कि जो शुरुआत बाबूजी करके गये थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसे पूरा किया। अमित शाह ने 'भारत माता की जय और 'जय श्रीराम के नारों के बीच कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी और कहा ''दिल्ली से आज एक ही काम के लिए आया हूं। भाजपा के वरिष्ठ नेता, राम भक्त और पिछड़ों के कल्याण के लिए उप्र में कार्यक्रम शुरू करने वाले कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने आया हूं। उन्होंने कहा ''सभी लोगों के जीवन में कुछ पल आते हैं, जो उस व्यक्ति का परिचय करा देते हैं। बाबूजी के जीवन में ऐसे पल आए। राम भक्तों का सैलाब अयोध्या में उमड़ पड़ा। लोगों ने दबाव बनाया कि गोलियां चलाकर कारसेवकों को रोका जाए। बाबूजी ने उस पल निर्णय लिया – मैं गोली नहीं चलाऊंगा, मैं मुख्यमंत्री पद त्याग दूंगा। शाह ने कहा ''आज हम सबको आनन्द है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2024 के शुरू में रामलला साढ़े पांच सौ साल बाद अपने निज घर के अंदर, अपने भव्य मंदिर में बिराजेंगे। उस दिन दुनिया भर के राम भक्तों में संतोष और गौरव का भाव आएगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर लखनऊ में युवक ने फेंका जूता

एजेन्सी

लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी में सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सपा के महासम्मेलन में भाग लेने पहुंचे राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक युवक ने जूता फेंका। युवक को सपाइयों ने खूब पीटा। पुलिस युवक को पकड़कर ले गई। हमले में स्वामी प्रसाद मौर्य बाल–बाल बच गए। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। स्वामी सपा के पिछड़ा वर्ग के महासम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। कार से उतरकर वह अंदर जा रहे थे, तभी वकील की ड्रेस में आए युवक ने जूते से उन पर हमला कर दिया। जूता स्वामी प्रसाद को छूता हुआ दूर गिरा।

पटना–कोटा एक्सप्रेस ट्रेन में दो यात्रियों की मौत, छह बीमार

एजेन्सी

आगरा। वाराणसी से मथुरा की यात्रा के दौरान रविवार को कोटा–पटना एक्सप्रेस (13237) में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण दो यात्रियों की मौत हो गई और छह अन्य बीमार पड़ गए। आगरा के रेलवे अधिकारियों को यात्रियों के बिगड़ते स्वास्थ्य के संबंध में एक कॉल मिली। रविवार शाम ट्रेन के आगरा कैंट स्टेशन पहुंचने पर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। ये यात्री गैर वातानुकूलित शयनयान कोच संख्या एस–2 में यात्रा कर रहे थे। हालाँकि उनकी मृत्यु का सटीक कारण अभी भी निर्धारित नहीं किया गया है, समूह के कई सदस्यों, जिनमें से मृत यात्री भी शामिल थे, ने अस्वस्थ महसूस करने की सूचना दी। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) प्रशस्ति श्रीवास्तव ने कहा, " आगरा में रेलवे अधिकारियों को कोटा–पटना एक्सप्रेस (13237) में सवार यात्रियों के खराब स्वास्थ्य के बारे में सूचित किया गया था। चिंता जताने वाले व्यक्ति छत्तीसगढ़ के एक टीम लीडर के नेतृत्व वाले समूह का हिस्सा थे। यह समूह वाराणसी से पारगमन में था और मथुरा के लिए नियत था, " आगरा पीआरओ रेलवे ने कहा, "ट्रेन के आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर चिकित्सा टीमों को तुरंत ट्रेन में भेजा गया। जिन यात्रियों को मतली और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे, उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए ले जाया गया। लेकिन एक बुजुर्ग महिला की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक पुरुष यात्री की आगरा में इलाज के दौरान जान चली गई। श्रीवास्तव ने कहा," प्रारंभिक चिकित्सा आकलन से पता चलता है कि मौतों का संभावित कारण निर्जलीकरण या खाद्य विषाक्तता हो सकता है। हालांकि, हम अभी भी एक निश्चित निष्कर्ष पर नहीं पहुँचे हैं।" पीआरओ ने बताया "पता चला है कि समूह में लगभग 90 सदस्य शामिल थे।

पीएम मोदी कल दक्षिण अफ्रीका के लिए होंगे रवाना...40 साल बाद करेंगे ग्रीन की यात्रा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स की 15वीं शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार को सुबह दक्षिण अफ्रीका के लिए प्रस्थान करेंगे और वहां से 25 अगस्त को एक दिन की आधिकारिक यात्रा पर यूनान जाएंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने सोमवार को यहां विदेश मंत्रालय में एक विशेष मीडिया ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री की इन यात्राओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी मंगलवार को नयी दिल्ली से सुबह जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होंगे और वहां 22 से 24 अगस्त के दौरान ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) की पंद्रहवीं शिखर बैठक के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के पहले दिन पीएम मोदी जोहान्सबर्ग में रिट्रीट (पयटर्न स्थल पर) पर ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं और आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के साथ मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि रिट्रीट बैठक व्यक्तिगत प्रकार की होगी, जिसमें नेता वैश्विक महत्व के विषयों पर निजीतौर पर विचार विमर्श करेंगे। पीएम मोदी बुधवार से ब्रिक्स सम्मेलन की औपचारिक बैठकों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री वहां से 25 अगस्त को यूनान (Greece) पहुंचेंगे। क्वात्रा ने बताया कि 1983 के बाद भारत के किसी प्रधानमंत्री की यह यूनान की पहली यात्रा है। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एथेंस की राजनयिक यात्रा की थी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यह आधिकारिक यात्रा यूनान के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर हो रही है। जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा, आर्थिक एवं वाणिज्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और गहन एवं विस्तृत बनाने पर चर्चा होगी।

बीओबी ने सनी देओल के विला की नीलामी रोकी, कांग्रसे ने उठाये सवाल

एजेन्सी

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 56 करोड़ रुपये की वसूली के लिए अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सनी देओल की संपत्ति की नीलामी फिलहाल रोक दी है। बीओबी ने सोमवार को कहा कि तकनीकी कारणों से प्रक्रिया वापस ले ली गई है। बैंक की ओर से रविवार को जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया था कि बैंक मुंबई के टोनी जुहू इलाके में गांधीग्राम रोड पर स्थित सनी विला की संपत्ति कुर्क की है, नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 51.43 करोड़ रुपये और 5.14 करोड़ रुपये की बयाना राशि तय की गई है। बैंक ने ऑनलाइन माध्यम से 25 अगस्त को यह नीलामी करने की घोषणा की थी।

बीओबी ने सोमवार को जारी ऐसे ही एक नोटिस में कहा कि 20 अगस्त को जारी नोटिस को 'तकनीकी कारणों से वापस लिया जाता है।'

बैंक से संपर्क करने पर उसने नोटिस वापस लेने की कोई वजह नहीं बतायी। वहीं, कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाये हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि आखिर 'तकनीकी कारणों' का हवाला देने के लिए बैंक को किसने प्रेरित किया? रमेश ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'कल दोपहर को देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने भाजपा सांसद सनी देओल के जुहू स्थित आवास को ई–नीलामी के लिए रखा है, क्योंकि उन्होंने बैंक को 56 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। आज सुबह 24 घंटे से भी कम समय में देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'तकनीकी कारणों' से नीलामी नोटिस वापस ले लिया है। आखिर इन 'तकनीकी कारणों' का हवाला देने के लिए किसने प्रेरित किया?'

दिल्ली की गीता कॉलोनी में अतिक्रमण विरोधी अभियान

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पुलिस की भारी मौजूदगी के बीच, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सोमवार को दिल्ली की गीता कॉलोनी में अवैध बस्तियों को ध्वस्त करने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। रिपोर्ट के मुताबिक, इन बस्तियों के निवासियों को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) द्वारा स्थापित आश्रय शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गीता कॉलोनी इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य प्रस्तावित सड़क–चौड़ीकरण परियोजना के लिए रास्ता साफ करना है। पुलिस ने कहा है कि इलाके में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और ऑपरेशन शांतिपूर्ण ढंग से चलाया जा रहा है.

तेजप्रताप ने अटल पार्क का नाम बदलकर किया कोकोनट पार्क, बीजेपी ने बोला हमला तो जेडीयू ने दी

एजेन्सी

पटना। बिहार के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव इन दिनों अपने विभाग के कामों के प्रति एक्टिव दिख रहे हैं। मंत्री तेजप्रताप यादव के द्वारा लगातार पटना के पार्कों का सौन्दर्यकरण और लोकार्पण का काम किया जा रहा है।

इसी कड़ी में पटना के कई पार्कों के लोकार्पण का कार्यक्रम सोमवार को किया जाना था। इसके पहले विपक्ष ने यह आरोप लगाया है कि जिस कोकोनट पार्क का लोकार्पण होना है, उस पार्क का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर था। जिसका नाम अटल पार्क था, अब उसका नाम बदलकर कोकोनट पार्क रख दिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार की पोल खुल गई है। नीतीश कुमार अटल बिहारी वाजपेयी का नाम हमेशा लेते रहते हैं लेकिन अब उनकी सरकार में पार्क का नाम बदला जा रहा है और नीतीश कुमार चुप बैठे हैं।

विपक्ष के आरोप के बाद जदयू ने सफाई दी है। जदयू प्रवक्ता भारती मेहता का कहना है कि यह निर्णय बिहार सरकार का निर्णय नहीं है। इस पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है, इसके बाद कोई प्रतिक्रिया दी जा सकती है। वहीं इस मामले पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि पार्क का नाम शुरू से कोकोनट पार्क ही है। बाद में कुछ स्थानीय लोगों के द्वारा पार्क में अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा लगा दी गई और पार्क को अटल पार्क कहा जाने लगा लेकिन रिकॉर्ड में पार्क का नाम कोकोनट पार्क है। बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अक्सर अटल बिहारी बाजपेयी के किए कामों की तारीफ करते नहीं थकते हैं। वो उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने दिल्ली तक पहुंच गए। ऐसे में भाजपा के द्वारा सवाल उठाना लाजमी है।

सावन की सातवीं सोमबारी पर बाबा गरीबनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

एजेन्सी

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के बाबाधाम कहे जाने वाले मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में सावन की सातवीं सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए कांवरियों की भीड़ उमड़ पड़ी। कांवरिया पहलेजा घाट से जलबोझी करके आए। हरिसभा चौक से पानी टंकी, जिला स्कूल, छोटी कल्याणी, प्रभात सिनेमा रोड होते हुए बाबा गरीबनाथ मंदिर तक पंक्तिबद्ध कांवरिया भोलेबाबा के नाम का जयकारा लगाते हुए बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचे। वहीं इस दौरान करीब डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। रविवार रात 12 बजते ही इस दुर्लभ संयोग में बाबा का जलाभिषेक करने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर में सेवा दल और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रही। श्रद्धालुओं ने बाबा का जयघोष करते हुए भक्ति भाव से पूजा–अर्चना की। बाबा से सुख–समृद्धि और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। बेलपत्र, गंगाजल, फल–फूल, भांग–धथूरा आदि का शिवलिंग पर अरघा के माध्यम से अर्पण किया। पूरा क्षेत्र और मंदिर परिसर हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान हो गया। मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। वहीं मंदिर के पुजारी अभिषेक पाठक ने बताया कि सावन की सातवीं सोमबारी और नागपंचमी एक ही दिन पड़ना दुर्लभ संयोग है।

मछली खाती है ऐश्वर्या राय, इसलिए... एकनाथ शिंदे सरकार के मंत्री के बिगड़े बोल

एजेन्सी

मुंबई। कई बार मंत्री जल्दबाजी में कुछ ऐसा कह जाते हैं कि उस पर बाद में विवाद खड़ा हो जाता है। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में आदिवासी मामलों के मंत्री डॉ. विजय कुमार गावित भी फ्लो–फ्लो में कुछ ऐसा ही कह गए। गावित ने कहा कि मछली खाने की वजह से एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की आंखें और त्वचा खूबसूरत दिखती हैं।साथ ही गावित ने मछली खाने के फायदे बताए और खुद ही अपनी बातों पर ठहाके भी लगाते रहे। इस अवसर पर सांसद डॉ. हिना गावित, जिला परिषद सदस्य अरुण ठाकरे, गुलाब ठाकरे, किशोर नाइक, गुलाल भील, ग्राम पंचायत सदस्य रेखा ठाकरे, प्रवीण शिरसथ, दशरथ ठाकरे, सदाशिव मिस्त्री, विट्ठल मोरे, अशोक मोरे, भोजू मोरे, दिलवर मालचे, सागर भील, दशरथ भील और शहादा तालुक के मछुआरे उपस्थित थे।

धुले जिले के अंतुरली में आदिवासी मछुआरों को मछली पकड़ने की सामग्री वितरित करने के लिए एक कार्यक्रम शामिल हुए जनजातीय विकास मंत्री डॉ. विजय कुमार गावित वहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे हैं थे। इस दौरान गावित ने कहा कि क्या आपने ऐश्वर्या राय की आंखें देखी हैं? बेंगलुरु में समुद्र तट पर रहने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या राय की आंखें इसलिए खूबसूरत और चमकीली दिखती हैं क्योंकि वह रोज मछली खाती हैं। गावित यही नहीं रूके, उन्होंने आगे कहा कि मछली खाने से औरतें और मर्द चिकने दिखने लगते हैं, उनकी आंखें चमकीली लगती हैं। कोई भी देख ले तो कायल हो जाए।

इसरो की भर्ती परीक्षा में धोखाधड़ी, हरियाणा के 2 लोग गिरफ्तार

एजेन्सी

तिरुवनंतपुरम विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में तकनीकी कर्मचारी की भर्ती के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित एक परीक्षा में धोखाधड़ी के आरोप में हरियाणा के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों को दो विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र का जवाब देने के लिए अनुचित तरीकों का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि दोनों को रविवार रात को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा हरियाणा के चार अन्य लोगों को भी घटना के संबंध में हिरासत में लिया गया। उन्होंने परीक्षा में हिस्सा लिया था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार दोनों लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है और कोचिंग सेंटर समेत अन्य लोगों की संलिप्तता के बारे में जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार उम्मीदवारों ने प्रश्नों की तस्वीरें खींचने के लिए मोबाइल फोन के कैमरे का इस्तेमाल किया था और इसे बाहर किसी को भेजा था जो उनके कान में लगे ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए इसका उत्तर दे रहा था।

इरेडा का चालू वित्त वर्ष में 4,350 करोड़ रुपए की आय का लक्ष्य

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरेडा ने चालू वित्त वर्ष के दौरान परिचालन से 4,350 करोड़ रुपए की आय हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अगले वित्त वर्ष 2024–25 में परिचालन आय बढ़कर 5,220 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इस संबंध में कंपनी ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ एक प्रदर्शन–आधारित सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

सम्पादकीय

चीन के विरुद्ध त्रिशक्ति

अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया अब एक नए सुरक्षा संकल्प पर आगे बढ़ चुके हैं। इस त्रिकोण के अस्तित्व में आने के बाद उत्तर कोरिया से लेकर चीन तक की चुनौती बढ़ गई है। रविवार के सम्पादकीय 'घब्रिक्स और भारत' में मैंने चीन के इरादों की चर्चा की थी कि वह किस तरह से ब्रिक्स का विस्तार कर एक ऐसा शक्तिशाली समूह बनाना चाहता है ताकि अमेरिका विरोधी दुष्प्रचार को वह नई धार दे सके। घब्रिक्स सम्मेलन से पहले ही अमेरिका ने उसके सामने नया संकटघ्खड़ा कर दिया है। जंगली स्थल कैम्प डेविड लम्बे समय से नई शुरूआत और नई सम्भावनाओं का प्रतीक रहा है। कैम्प डेविड में ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने शिखर सम्मेलन आयोजित किया। तीनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते में कहा गया है कि अगर इनमें से किसी भी देशघ्पर हमला किया जाता है तो इसे सभी पर हमला माना जाएगा। तीनों देश उत्तर कोरिया के परमाणु हमले के खतरे और प्रशांत महासागर में चीन के दखल के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच अपनी सुरक्षा और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के इच्छुक हैं। तीनों देश सलाह–मशविरा करने, सूचना साझा करने और खतरा या संकट की स्थिति में एक–दूसरे का सहयोग करने पर सहमत हुए हैं।

अमेरिका के 80 हजार से अधिक सैनिक जापान और दक्षिण कोरिया में तैनात हैं। अमेरिका और चीन में ताइवान और अन्य मुद्दों पर तनातनी को सारी दुनिया जानती है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन चीन के राष्ट्रपति शी जिन घ्पिंग को तानाशाह करार दे चुके हैं और अब वह चीन को घेरने के लिए तमाम देशों के साथ अलग–अलग मंच बनाने में लगे हुए हैं। अगले वर्ष बाइडेन को भी राष्ट्रपति चुनाव का सामना करना है। इसघ्लिए वह चीन के प्रति कड़ा रुख अपनाकर लोकप्रियता बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि तीनों देशों का सुरक्षा संकट कहीं न कहीं एक समान है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसी दोघ्एशियाई शक्तियों के बीच पीढिघ्यों से चली आ रही दुश्मनी को खत्म कर तेजी से मुखर हो रहे चीन के सामने त्रिशक्ति की चुनौती पेश की जा सकेगी। यह बाइडेन की बहुत बड़ी कामयाबी है कि वह जापान और दक्षिण कोरिया के बीच संबंधों में सुधार ला रहे हैं। कोरियाई महाद्वीप पर जापान के 35 साल के कब्जे से दोनों देशों में ऐतिहासिक दुश्मनी चली आ रही थी। बाइडेन दोनों देशों को यह समझाने में सफल रहे हैं कि उन्हें असली खतरा एक–दूसरे से नहीं बल्कि चीन से है। अमेरिका हिन्द प्रशांत क्षेत्र और दक्षिणी चीन सागर में चीन के बढ़ते हस्ताक्षेप से पहले ही परेशान है। चीन कंबोडिया में एक नौसैनिक अड्डा बना रहा है। द वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, चीन के सैनिकों की उपस्थिति कंबोडिया के रीम नेवल बेस के उत्तर में थाईलैंड की खाड़ी पर रहेगी। यह माना जा रहा है कि चीन ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र पर अपनी स्थित को मजबूत बनाने के लिए यह चौकी बनाई है। इस क्षेत्र में चीन का यह दूसरा सैन्य अड्डा है। इसके पहले चीन ने पूर्वी अफ्रीकी देश जिबूती में नौसैनिक अड्डा बनाया था। चीन के इस कदम से इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में चीन की सैन्य शक्ति का विस्तार होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र पर चीन की नजर क्यों है। दक्षिणी चीन सागर और प्रशांत महासागर के रास्ते लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार होता है। भारत, अमेरिका, चीन, कोरिया और जापान का समग्र व्यापार इन्हीं क्षेत्रों से होता है। भारत के व्यापार का भी लगभग 50 फीसदी हिस्सा हिन्द प्रशांत क्षेत्र में केन्द्रित है। अमेरिका और भारत का दृष्टिकोण एक समान है कि समुद्र और वायु क्षेत्र के साझा इस्तेमाल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानून के तहत सबकी समान पहुंच होनी चाहिए। इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कम्बोडिया में बना चीन का यह नया सैन्य ठिकाना भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह से महज 1200 किलोमीटर की दूरी पर है। चीन की नौसेना या युद्ध के जहाज यहां से आसानी से बंगाल की खाड़ी में पहुंच सकते हैं। चीन समुद्री रास्ते से म्यांमार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने में जुटा है। इस सैन्य ठिकाने की मदद से चीन भारत और अमेरिका दोनों की सेनाओं की हरकतों पर खुफिया तौर पर निगरानी कर सकेगा। चीन लगातार पूरे विश्व में अपने सैन्य ठिकानों को विस्तारित करने की कोशिश में लगा हुआ है। चीन इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर देशों को फंडिंग करने के बाद उनके यहां घुसपैठ करता है फिर धीरे–धीरे वहां अपने सैन्य ठिकानों के निर्माण में लग जाता है। चीन पर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका की पहल बेहतर हो सकती है और भारत भी इस त्रिमूर्ति का समर्थक हो सकता है। तीनों देश रणनीतिक सहयोग करेंगे तो निश्चित रूप से उत्तर कोरिया के मुकाबले यह समूह काफी मजबूत होगा। इस मेल–मिलाप की सराहना तभी की जानी चाहिए जब ड्रैगन के कदमों पर शिकंजा कसा जाएगा।

शिक्षा से खौफजदा सरकार

21वीं सदी में इससे अधिक कुछ भी हास्यास्पद और दुखद एक साथ नहीं हो सकता कि किसी को यह कहने के लिये नौकरी से निकाल दिया जाये कि शशिक्षित जनप्रतिनिधियों को वोट देना चाहिये। ओपन प्लेटफॉर्म पर कार्यरत एडटेक कंपनी अनएकेडमी ने अपने उस टीचर को बर्खास्त कर दिया है, जिसने अपनी एक क्लास के दौरान चुनावों में पढ़े–लिखे उम्मीदवारों को वोट देने की सलाह दी थी। करण सांगवान नामक इस टीचर को बर्खास्त करने की पुष्टि करते हुए अनएकेडमी के को–फाउंडर रोमन सैनी ने ट्वीट कर लिखा कि शसांगवान ने कंपनी की आचार संहिता को तोड़ा है इसलिए उन्हें हटाना पड़ा है।श माना जाता है कि सांगवान को केन्द्र सरकार की कथित नाराजगी के बाद नौकरी से हटाया गया है। अपने वीडियो में पढ़े–लिखे नेताओं को वोट देने की अपील के बाद करण सांगवान सोशल मीडिया के सभी माध्यमों पर जबर्दस्त ट्रेंड करने लगे थे। वैसे तो शिक्षित व्यक्ति को वोट देने की अपील से किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये क्योंकि इसमें तो कोई शक ही नहीं कि कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाये तो अशिक्षित व्यक्ति के मुकाबले पढ़ा–लिखा व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में समाज के लिये उपयोगी होता है। वैसे सांगवान का मामला यह साबित करने के लिये पर्याप्त है

कि वर्तमान सरकार ने एक ऐसे भारत का निर्माण कर दिया है जिसमें साक्षरता को अवगुण की तरह लिया जा रहा है जबकि दुनिया भर में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। देश में बढ़ती विवेकहीनता, अतार्कि कता और अवैज्ञानिकता का कारण इस अकेले दृष्टांत से भी समझा जा सकता है। सांगवान की बर्खास्तगी का कारण इसलिये सरकार की नाराजगी को माना जा रहा है क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर अक्सर सवाल उठते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कुछ और भी नेता व मंत्री भी ऐसे हैं जिनकी शैक्षणिक योग्यता पर संदेह व्यक्त किया जाता है। सांगवान की बर्खास्तगी राजनैतिक व सामाजिक हलकों में मजाक का विषय बन गया है। लोगों को लग रहा है कि सांगवान की विद्यार्थियों को दी गई सलाह इसलिये भाजपा को बुरी लग गई क्योंकि उसे लगता है कि यह उसके ही खिलाफ कहा गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तो बाकायदे प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर कहा कि शआखिर यह बात (सांगवान की) सिर्फ भाजपा को ही क्यों बुरी लगी जबकि अन्य किसी को भी इससे आपत्ति नहीं हुई। आपत्ति का कोई कारण भी नहीं बनता क्योंकि स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र का आधार ही गुणवत्तापूर्ण जनप्रतिनिधियों का चुनाव है। कार्टून तो इस आशय के भी तैर रहे हैं कि आज पढ़े–लिखों को चुनने की बात हो रही है। कल को यदि ईमानदार लोगों को चुनने की मांग होने लगे तो मुश्किल हो जायेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सांगवान की बात को जायज बतलाया है। इसे कोई गलत कह भी नहीं सकता। सम्भवतरू इस सरकार के द्वारा जिस प्रकार से विश्वविद्यालयों ही नहीं समस्त तरह की शिक्षाओं, विवेक और ज्ञान के खिलाफ वातावरण बनाया गया है यह उसी का परिणाम कहा जा सकता है। पिछले कुछ समय से बताया जा रहा है कि पढ़ना–लिखना व्यर्थ है।

समाज का काम इसके बिना भी बखूबी चल सकता है। ऐसी अवधारणा विकसित करने का फायदा यह होता है कि सरकार शिक्षा के विकास पर मेहनत और खर्च करने से बच जाती है। शिक्षा को एक अनुपयोगी काम बतला देने से सरकार और गैर अलोकतांत्रिक व निरंकुश राजनैतिक दलों–नेताओं को कई लाभ होते हैं। सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि अशिक्षित लोगों की भीड़ निर्मित कर उन्हें मनचाही दिशा में हांका जा सकता है और किसी भी तरह के विचारों से उन्हें बरगलाया जा सकता है। आज सड़कों पर हिंसा व नफरत से भरे नौजवानों के जो हुजूम देखे जा रहे हैं वे शिक्षा से विरक्त जनसमुदाय ही हैं। यह दीगर बात है कि शिक्षा को व्यर्थ बतलाने वाले नेता स्वयं अपने बच्चों को खूब पढ़ाने–लिखाने में रुचि रखते हैं। उनके बच्चे देश–विदेश के अच्छे संस्थानों से पढ़–लिखकर निकलते हैं। जनप्रतिनिधियों का पढ़ा–लिखा होना बेमतलब साबित करने वाले माहौल में ही योग्य नेताओं (जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह तक) के बारे में यह कहना लोगों को प्रभावित करता है कि उच्च शिक्षण का कोई फायदा नहीं है। शहार्वर्ड बनाम हार्ड वर्कश का यह सिद्धांत दिया जाता है कि देश का भला उच्च शिक्षा से नहीं वरन कड़ी मेहनत से होगा। यह अलग बात है कि गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के लिये विख्यात संस्थानों में दाखिला लेना और उनमें विद्यार्जन करना किसी भी तरह से कम मेहनत का काम नहीं है। दूसरी तरफ, आज के वातावरण में अकेली मेहनत काम की नहीं जब तक कि व्यक्ति कुशाग्र बुद्धि व शिक्षित न हो। सांगवान से मोदी सरकार की नाराजगी का कारण यही हो सकता है कि उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारतीय समाज में ज्ञान का तिरस्कार और उसके प्रति घृणा फैलाने का काम हुआ है। देश के अच्छे विश्वविद्यालयों पर बमबारी करने की सलाह देना, वहां के स्वतंत्र चेता व सरकार विरोधी छात्रों को टुकड़े–टुकड़े गैंग बतलाकर उन्हें देश विरोधियों की शरणस्थली बतलाना आदि इसी वैचारिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अज्ञानता और विवेकहीनता पर गर्व की भावना शिक्षा के प्रति गहन अरुचि का परिणाम है जो थाली–ताली पीटने को महामारी उन्मूलन का उपाय मानने और देश की आजादी को 99 वर्षों की लीज पर बतलाने में संकोच नहीं करती। बाकी, विश्व गुरु बनने की चाहत तो अपनी जगह पर बनी हुई है ही।

सकारात्मक सोच और नवीन संकल्प जीवन की सफलता के सार्थक आयाम

संजीव ठाकुर

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंस निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर होंस मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी हैस

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है।

अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

एक कमी थी ताजमहल में, हमने तेरी तस्वीर लगा दी

लैंस कैमरे का वह पार्ट होता है, जो असल में इमेज कैप्चर करता है। सामान्य शब्दों में समझना चाहें तो कह सकते हैं कि कैमरा लैंस पहले प्रकाश इकट्ठा करता है फिर इसे लाइट डिटेक्ट करने वाली सतह, फिल्म या डिजिटल सेंसर पर प्रोजेक्ट करता है। फिर प्रोसेसिंग के भिन्न तरीकों से कैमरामेन या फोटोग्राफर को एक फाइनल इमेज मिलती है। कैमरे से बनी दुनिया की पहली तस्वीर 1826 या 1827 में फ्रेंच अविष्कारक जोसेफ नाइसफोर नीपेस ने ली थी। यह फोटो फ्रांस के बरगंडी क्षेत्र में नीपेस के घर की ऊपरी मंजिल की खिड़कियों से क्लिक की गई थी।

शकील खान

कल्लू भाई कबाड़ी पढ़े–लिखे भले ही नहीं थे, पर धन–दौलत की कमी नहीं थी। कुछ दोस्त विदेश में भी रहते थे। उनसे बातचीत होती रहती थी। ऐसे ही एक बार कल्लू विदेश में बैठे अपने दोस्त से बात कर रहे थे। दोस्त ने 'कहा क्या कर रहे हो।' कल्लू भाई ठहरे नए जमाने वाले, जवाब दिया 'अभी बताता हूं।' बात करते–करते मोबाइल से फोटो क्लिक की और भेज दी, कहा 'ये कर रहा हूं।' उधर से कहा गया 'मजा नहीं आया।' कल्लू बोले 'अच्छा, रुक दोबारा कॉल करता हूं।' कल्लू अब वीडियो कॉल पर थे, दोस्त को हाथ हिलाते हुए बोले 'अब आया मजा।' उधर से जवाब मिला 'हां ये हुई न बात, अब आया मजा।' पता नहीं किसी विज्ञान लेखक ने अपने किसी उपन्यास या कथानक में इसकी कल्पना कुछ साल पहले की थी या नहीं। कुछ साल से गरज ये कि मोबाइल आने से पहले या फिर कहें मोबाइल पर 'नेट' आने से पहले। मोबाइल विहीन दौर में भले ही इसे कपोल कल्पना कह कर खारिज कर दिया जाता, लेकिन आज ये सच्चाई इतनी कॉमन है, कोई रोमांच नहीं जगाती। जिन लोगों ने डिजिटल फोटोग्राफी से पहले का, बहुत पहले का दौर देखा है उन्हें सही मायने में फोटोग्राफी की हैसियत का, उसकी वैल्यू का एहसास है। इसमें कोई शक नहीं कि फोटोग्राफ्स बहुत कीमती और उपयोगी है, लेकिन हर किसी के हाथ में कैमरे ने इसकी हैसियत जरूर कम कर दी है। आज की डेट में कोई फॉर्म भरना हो नौकरी के लिए, कहीं दाखिले के लिए या किसी और कारण से। वहां अगर फोटो भेजनी है तो हम क्लिक करेंगे लोड करेंगे और फोटो पहुंच गई मुकाम पर, लेकिन अगर नौजवानों को ये बताया जाए कि पहले पासपोर्ट फोटो मिलना तक आसान नहीं था, तो हो सकता है वो भरोसा ही न करे, पर पहले अगर फॉर्म भरना है और पासपोर्ट फोटो नहीं है तो स्टुडियो जाइए फोटो खिचाइए। तीन दिन बाद आपको मिलेगी, क्योंकि रोल पूरा होने के बाद ही डार्क रूम में धुलेगा। फिर प्रिंट होगा, डार्क रूम में कपड़े टांगने वाले क्लिप के सहारे डोरी में लटकाकर सुखाया जाएगा। एक खास तरह के कटर पर उसे काटा जाएगा, फिर कहीं जाकर आपको पासपोर्ट साइज का फोटो आवेदन में लगाने के लिए नसीब होगा। खुदा न खास्ता अगर आपको फोटो की तत्काल जरूरत है तो (उसी दौर की बात हो रही है), तो फिर ज्यादा चार्ज देना पड़ेगा। फोटोग्राफर को इसके लिए जो मेहनत करना पड़ती थी उसके लिहाज से ये ज्यादा पैसे मायने नहीं रखते थे। फोटोग्राफर पहले फोटो खींचेगा, फिर कैमरे को डार्क रूम में लेकर जाएगा। न के बराबर रौशनी में कैमरे को कॉले कपड़े से ढंक कर रोल बाहर निकालेगा। जहां आपका फोटो है वहां तक रोल कट करेगा। कटी हुई रील बाहर निकालकर बाकी हिस्सा वापस कैमरे पर लोड करेगा। फिर चिमटी के सहारे सिल्वर ब्रोमाईड के साल्युशन में डालकर उसे डेवलप करेगा। अब फोटोग्राफ सूखेगा। तब आपके हाथ में पासपोर्ट फोटो आ पाएगा। शाब्दिक अर्थ की बात करें तो कहेंगे 'लाइट के साथ चित्र निर्माण'। फोटोग्राफी दो ग्रीक शब्दों से मिलकर बना है। फॉस (जेनेटिव फोटोस) जिसका मतलब है 'प्रकाश' और ग्राफे जिसका अर्थ है 'ड्रॉइंग या लेखन।' कहा जाता है कि ब्रिटिश वैज्ञानिक सर जॉन हर्शेल द्वारा इस शब्द का इस्तेमाल पहली बार 1839 में किया गया था। लैंस कैमरे का वह पार्ट होता है, जो असल में इमेज कैप्चर करता है। सामान्य शब्दों में समझना चाहें तो कह सकते हैं कि कैमरा लैंस पहले प्रकाश इकट्ठा करता है फिर इसे लाइट डिटेक्ट करने वाली सतह, फिल्म या डिजिटल सेंसर पर प्रोजेक्ट करता है। फिर प्रोसेसिंग के भिन्न तरीकों से कैमरामेन या फोटोग्राफर को एक फाइनल इमेज मिलती है। कैमरे से बनी दुनिया की पहली तस्वीर 1826 या 1827 में फ्रेंच अविष्कारक जोसेफ नाइसफोर नीपेस ने ली थी। यह फोटो फ्रांस के बरगंडी क्षेत्र में नीपेस के घर की ऊपरी मंजिल की खिड़कियों से क्लिक की गई थी। खिड़की से लिए गए इस चित्र को शीर्षक दिया गया 'ले ग्रास की खिड़की से दृश्य' (टपमू तिवउ जीम ॅपदकवूंज स्म ळतें)। दावा किया जाता है कि ये दुनिया की पहली जीवित तस्वीर है। बात करें दुनिया की पहली रंगीन फोटो की तो ये उपलब्धि गणितीय भौतिक विज्ञानी जेम्स क्लर्क मैक्सवेल (श्रंउमे ब्समता डंगमसस) के नाम है। ये सच है कि नाईसफोर के नाम पहली फोटो लेने का श्रेय है। लेकिन एक खराब गुणवत्ता वाली फोटो थी, ऐसा होना स्वाभाविक भी था। इसके एक्सपोजर में भी लगभग आठ घंटे का समय जाया हुआ था। फ्रांसीसी चित्रकार और भौतिक विज्ञानी लुई जैक्स मांडे डागुएरे फोटोग्राफी की प्रेक्टीकल प्रक्रिया का अविष्कारक माने जाते हैं। उन्होंने जो प्रोसेस विकसित की उसमें केवल 20 से 30 मिनिट का समय लगा। इसे डागुएरियोटाईप के नाम से पुकारा गया। ये भी जान लें कि जब नाइसफोर ने पहला फोटो लिया तब इसे प्रक्रिया को फोटोग्राफी के नाम से नहीं जाना जाता था। उन्होंने इस प्रोसेस को हेलियोग्राफी, फोटोजेनिक ड्राइंग, टैलबोटाइप, कैलोटाइप (टैलबोट) के रूप में संदर्भित किया था। बात पहली फोटो क्लिक करने की चल रही है तो ये भी बताते चलें कि दुनिया की सबसे पहली सेल्फी जुलाई 1839 में रॉबर्ट कोर्नोलियस ने ली थी। ये सेल्फी उन्होंने अपने कैमरे के सामने खड़े होकर ली थी। उन्होंने ये सेल्फी फिलोडेल्फिया, पेनसिल्वेनिया, यूएसए में ली थी। रॉबर्ट को ऐसा करने के लिए लगभग 10–15 मिनिट तक तैयारी करनी पड़ी थी। बता दें कुछ और लोगों का दावा है कि दुनिया की पहली सेल्फी 1850 में ली गई थी। यह सेल्फी स्वीडिश आर्ट फोटोग्राफर ऑस्कर गुस्तेव रेंजलेंडर ने ली थी। अब रॉबर्ट या गुस्तेव ने क्या किया था, पता नहीं। लेकिन हम लोगों को जब सेल्फी लेने का मौका मिला तब हम क्या करते थे, कैसे करते थे।

आपदाओं का सामना, केंद्र-राज्यों में बेहतर तालमेल जरूरी

हाल के दिनों में लगातार बारिश और भूस्खलन से हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में हुई तबाही ने हमें चेतावनी के साथ सबक दिया है कि देश को वैज्ञानिक ढंग से शीघ्र राहत पहुंचाने वाले आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है। पंजाब के कई जिलों में आयी बाढ़ ने इस जरूरत को और आवश्यक बनाया है। निस्संदेह, ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के चलते बारिश के पैटर्न में आये बदलाव ने आपदा प्रबंधन को एक गंभीर मुद्दा बना दिया है। जिसके लिये केंद्र व राज्यों को एक लंबा रास्ता तय करना है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि इस बार मानसून के दौरान हुई तबाही ने राज्य में बुनियादी ढांचे को इतना नुकसान पहुंचाया है कि उसके पुनर्निर्माण में एक साल से अधिक का समय लग सकता है। दरअसल, दो माह से लगातार हो रही बारिश के विनाशकारी प्रभाव के चलते इस पहाड़ी राज्य को लगभग दस हजार करोड़ का आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। निस्संदेह मौजूदा समय में राज्य सरकार की प्राथमिकता हिमाचल में राहत और बचाव कार्यों को अंजाम देने की है, लेकिन राज्य के सतत विकास के लिये जरूरी है कि एक दीर्घकालीन नीति को अमल में लाया जाये। जिससे प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जन–धन की हानि को कम किया जा सके। दरअसल, आज इस बात की सख्त जरूरत है कि विकास कार्यों को चरम मौसम की आवृत्ति व तीव्रता को ध्यान में रखते हुए अंजाम दिया जाये।दरअसल, कारगर आपदा प्रबंधन के जो बुनियादी तत्व हैं, उनमें आपदा के घातक प्रभाव की रोकथाम, मुकाबले की तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया और जन–धन हानि को कम से कम करने की कोशिश आदि शामिल हैं। हालिया घटनाओं के बाबत केंद्र सरकार का दावा है कि अब आपदाओं के प्रति देश का दृष्टिकोण आपदा राहत केंद्रित और प्रतिक्रियावादी नहीं है। स्पष्ट रूप से प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, आर्थिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग और राष्ट्रीय, राज्य व जिला स्तर पर संबंधित एजेंसियों को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। वहीं हकीकत यह भी है कि हिमाचल और पंजाब में हुई तबाही ने आपदा प्रबंधन प्रणाली में बड़ी खामियां उजागर कर दी हैं। निस्संदेह भारत तभी एक आपदा प्रतिरोधी राष्ट्र बनेगा जब उसके राज्य किसी भी प्राकृतिक आपदा से जूझने के लिये तत्पर व संसाधनों से सुसज्जित होंगे। बीते जून माह में केंद्र सरकार ने देशभर में आपदा प्रबंधन के लिये प्रमुख योजनाओं की घोषणा की थी। जिसमें देश के सात संवेदनशील शहरों में बाढ़ के जोखिम को कम करने हेतु ढाई हजार करोड़ रुपये की परियोजना शामिल थी। साथ ही विभिन्न इलाकों में राहत के लिये 825 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम शमन परियोजना की भी घोषणा हुई थी। निस्संदेह, ऐसी तमाम योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जब केंद्र व राज्य सरकारों में बेहतर तालमेल हो, सूचनाओं का आदान–प्रदान हो तथा पर्यावरण अनुकूल योजनाओं को प्रोत्साहन मिले। यदि ऐसा नहीं होता तो ये आपदाएं चाहे किसी भी रूप में देश के किसी भी हिस्से में आएं, आर्थिक विकास में बाधक ही बनेंगी।

पति पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

1-प्राइवेट बैंक के पांच समूह से लाखों रू ले रखा था कर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के विग्ही जमालपुर हीरापुर गांव की दलित बस्ती में सोमवार की रात को पति तथा पत्नी ने एक ही साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।घटना की जानकारी होते ही पुलिस तथा आस पास के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंच गए।

उक्त गांव निवासी रमेश कुमार पुत्र स्वर्गीय लालबहादुर राजगीर मिस्त्री का काम करता था।उसकी शादी आठ वर्ष पूर्व दानगंज वाराणसी में हुई थी।रमेश अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था।रमेश कुमार 30 वर्ष अपनी पत्नी मोनी 27 वर्ष तथा अपनी दो पुत्रियों अनन्या तीन वर्ष तथा प्रियांशी एक वर्ष के साथ रहता था।रमेश से छोटा भाई दिनेश कुमार अपनी पत्नी के साथ कही बाहर रहकर रोजी रोटी कमाता है।सबसे छोटा भाई जयहिंद अपनी बूढ़ी माँ राजकुमारी तथा दो छोटी बहनों के साथ अलग रहते है।रमेश की बहन ने बताया कि रमेश व उसकी पत्नी व बच्चे प्रतिदिन 10 बजे के बाद ही सोकर उठते थे।उनका परिवार के लोगो से कोई मतलब नही रहता था।मंगलवार की सुबह रमेश की बड़ी लड़की अनन्या रोते हुए कमरे से बाहर निकली।तब सुनीता घर मे घुस गई।वहां पर पतरे के कमरे के पाइप से साड़ी के फंदे से दोनो लटके हुए थे।उसने यह देख कर शोर मचाया।शोर सुनते ही अगल बगल के लोग पहुंच गए।घटना की जानकारी प्रधान जंगबहादुर यादव को दी गयी।उनकी सूचना पर थानाप्रभारी रामसरिख गौतम मौके पर पहुंच गए।उन्होंने दोनों के शव को उतरवाकर अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थानाप्रभारी रामसरिख गौतम ने बताया मामला पारिवारिक कलह का लगता है।हालांकि मृतकों के मोबाइल लिया गया है। उसकी जांच भी की जाएगी।

मौत का कारण कहीं कर्ज तो नहीं।

रमेश कुमार पांच समूहों से तीन लाख दो हजार तीन सौ इकसठ रुपये कर्ज ले रखा था। जिमसें उसने एक लाख सत्रह हजार आठ सौ इकहत्तर रुपया जमा किया था। एक लाख चौरासी हजार चार सौ नब्बे रुपया बाकी था। सोमवार को किश्त जमा करने का समय था। मैनजर किश्त लेने घर भी गया था लेकिन रमेश पैसा जमा नही कर पाया। कही न कही यही फांसी लगाने का कारण बन सकता है। रमेश के नाम से एक समूह था। मोनी के नाम से तीन समूह था। एक समूह में दोनों का नाम था। तीन समूह फ्यूजन नाम का था, एक समूह एस सी एन एल के नाम से एक उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक के नाम से था। उसकी गाड़ी स्लेंडर प्लस भी लोन पर थी। सारा कर्ज उतारने में वो सक्षम नही था।पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही हैं।जांच के बाद ही मामले की सही जानकारी मिल पायेगी।

कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए है चाइल्ड केयर सेंटर: कुलपति

कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया सेंटर का शिलान्यास

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के संगम आवास के सामने मंगलवार को चाइल्ड केयर सेंटर का शिलान्यास कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया। विश्वविद्यालय की कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल की जाएगी। इस अवसर पर विधिवत पूजन– अर्चन किया गया।

कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय में बने चाइल्ड केयर सेंटर से कामकाजी महिलाओं को काफी सहूलियत मिलेगी। वह दिन में अपने बच्चों को सेंटर में छोड़कर जा सकती है, उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा। सेंटर में बच्चों के खेलने, मनोरंजन के साथ ही साथ सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी से निगरानी की भी व्यवस्था रहेगी। इसके निर्माण में उत्तर प्रदेश शासन से 75 प्रतिशत और 25 प्रतिशत विश्वविद्यालय अपने मद से देगा। यह सेंटर लगभग आठ महीने में बनकर तैयार हो जाएगा।

इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, अजीत सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉ श्याम कन्हैया, शशिकांत यादव, डॉ मनोज पांडेय, डॉ धर्मेंद्र सिंह, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, अभिषेक सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना

जौनपुर (सू0वि0) – उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत जनपद में दर्जी, बढ़ई, नाई, कुम्हार, सुनार, टोकरी बुनकर, राजमिस्त्री, मोची हलवाई एवं लोहार ट्रेडों में प्रशिक्षण हेतु आवेदन आनलाइन बेवसाइट॒ कपनचक्उेम.नचकेब.हवअ.पद पर 30 अगस्त 2023 तक आमंत्रित किये जा रहे हैं। आवेदक की उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक पारम्परिक कारीगर दर्जी, बढ़ई, नाई, कुम्हार, सुनार, टोकरी बुनकर, राजमिस्त्री, मोची, हलवाई एवं लोहार के क्षेत्र में कार्य करता हो। चयनोपरान्त लाभार्थी को 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा एवं प्रशिक्षण अवधि मानदेय भी देय होगा।

विशेष जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर में आ कर सम्पर्क कर सकते हैं।

हर्बल उत्पादों की क्षमता पर प्रकाश डालने की जरूरत :- यावर अली शाह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन लखनऊ चौप्टर द्वारा सोमवार को वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर डे 2023 के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एएमए हर्बल ग्रुप के को फाउंडर और सीईओ श्री यावर अली शाह ने न केवल बाजार में हर्बल उत्पादों की क्षमता पर प्रकाश डाला और सतत विकास और नवाचार के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपनी दूरदर्शी रणनीतियों के विषय में चर्चा की जिससे हर्बल उत्पादों, सतत विकास और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के व्यावसायिक परिदृश्य को आकार देने में एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। गोमतीनगर स्थित एक होटल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उभरते उद्यमियों को प्रेरित करना, उद्योग

साझेदारी को और रुआइडियाटूरियलिटी थीम के तहत नवाचार को प्रोत्साहन देना था। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित बिजनेस लीडर्स, विशेषज्ञ और दूरदर्शी उद्यमी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान व्यावहारिक उदाहरणों और सक्सेस स्टोरीज पर विस्तृत चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में वक्ताओं की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल रही, जिसमें उन्होंने बेहद प्रभावी ढंग से अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मुकुल सिंघल (आई. ए.एस.) ने अपनी बहुमूल्य विचारों से इस अवसर की शोभा बढ़ाई और अपने अनुभव से कार्यक्रम को समृद्ध बनाया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भी अपने विचारों से उपस्थित लोगों को काफी प्रभावित किया। गेस्ट स्पीकर सुश्री चारु रावत ने अपने बहुमूल्य प्रेजेंटेशन में उद्यमशीलता और उद्योग के रुझानों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश किया। अन्य प्रमुख वक्ताओं में त्रिवेणी अलमीरा के श्री वरुण तिवारी, पीटीसी इंडस्ट्रीज के श्री सचिन अग्रवाल, एनकार्डियो राइट के श्री अमित गुजराल, सीएपी प्लास्टिक्स एंड ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड की सुश्री स्निग्धा गरवाल और मेटल सीम कंपनी से श्री संजीव अग्रवाल शामिल रहे। इन सभी वक्ताओं के विचारों और दृष्टिकोण ने उपस्थित लोगों के अनुभव को समृद्ध किया।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन लखनऊ चौप्टर द्वारा आयोजित वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर डे 2023 कार्यक्रम ने उद्यमशील समुदाय के भीतर नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

इस आयोजन ने विचार, सहयोग और प्रेरणा के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जो भविष्य के प्रयासों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा जो भारत में व्यापार के पथ को आकार देगा।

लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरीदीपुर दुबग्गा लखनऊ की छात्रा साक्षी शर्मा ने क्रिकेट प्रतियोगिता में मारी बाजी, प्राप्त किया द्वितीय स्थान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा सेंट फ्रांसिस स्कूल भनौत, मथुरा में आयोजित दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कक्षा 7 की छात्रा साक्षी शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने माता–पिता तथा विद्यालय का नाम रोशन किया। अब साक्षी शर्मा राष्ट्रीय स्तर क्रिकेट प्रतियोगिता खेलने के लिए गुजरात जाएंगी।

विद्यालय परिवार ने उसका उत्साह वर्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षयबर चौहान के द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में ली गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा मुख्य मार्गों पर स्पीड ब्रेकर लगाए जाने, सांकेतिक बोर्ड लगाने, लिंक रोड पर दोनों और खाली रोड को मुख्य मार्ग के समादर करने एवं डिवाइडर के बीच रिफलेक्टर लगाने, सभी क्षतिग्रस्त डिवाइडर को सही करने एवं सभी कट्स पर साइनेज को लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी ने लोगों से वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, सीट बेल्ट लगाने, हेलमेट लगाने सहित यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की। बैठक में सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी अमरेश यादव, एक्सइएन जलनिगम सचिन सिंह, सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व शांति के लिए नाग पंचमी पर स्वामी अमित देव ने शुद्ध घी का किया रुद्राभिषेक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सावन की नाग पंचमी के अवसर पर स्वामी अमित देव जी ने तिलक नगर आश्रम में किया शुद्ध देसी घी से किया विश्व शांति के लिए रुद्राभिषेक सावन के पावन महीने में तिलक नगर में किया गया विश्व का कल्याण हो और जनमानस को मिले शांति और पेड़ पौधे ,पशु पक्षी , जलवायु, सृष्टि का भी हमें ध्यान रखना है जिसकी वजह से जनमानस सुखद रहेगा आश्रम में 3 अगस्त 2023 से लगातार कार्यक्रम चल रहे हैं जिसमें श्री अखंड पाठ श्री– गुरु ग्रंथ साहिब जी ,श्रीमद्भागवत –महापुराण ,श्री रामचरितमानस महाप्रभु जी के योग शिविर अभिषेक भगवान श्री कृष्ण जन्म उत्सव पर 56 भोग का प्रसाद 23 और 24 अगस्त को योगेश्वर देवीदयाल महादेव जी के नित्यलीला प्रकाशउत्सव के उपलक्ष में मनाया जाएगा जिसमें अभिषेक, पूजा, आरती, योगेश्वर रामलाल मुल्क राज देवीदयाल महादेव त्रिदेव ज्योतिर्लिंग, आरती पूजा, गुरु गीता एवं ध्यान हवन, तिलक एवं कलश पूजा योगेश्वर देवी दयाल महादेव ,योग साधना प्रदर्शनी, योग उपदेश, ब्रह्मभोज वा दिल्ली व अनेक राज्यों से आए हुए गुरु भक्तों के लिए गुरु का अटूट भंडारा लाखों–करोड़ों भक्त 130 सालों से गुरुओं का आशीर्वाद ले रहे हैं संस्था के सचिव राजीव जोली खोसला ने यह जानकारी दी।

हल्की बरसात के चलते पोल के स्टे रॉड में उतरा करेंट, किसान और भैस की चिपक कर मौत

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बारिश के दौरान विद्युत पोल में लगे स्टे वायर में करंट उतरने से किसान और उसकी भैंस की दर्दनाक मौत! आए दिन पावर कारपोरेशन की लापरवाही से स्टे वायर में उतर रहा करेंट, थाना तारुन के माहन मऊ गांव का मामला। परिवार में मचा कोहराम।

लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल दुबग्गा, लखनऊ में कक्षा 10वीं एवं 12वीं सत्र 2022–2023 की बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को माला पहनाकर, पुरस्कार एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ पब्लिक स्कूल की संस्थापक एवं पूर्व एमएलसी कांति सिंह एवं विद्यालय प्रबंधक अवधेश सिंह, मुख्य शाखा के प्रधानाचार्य आदि उपस्थित रहे। इसके साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षकों को प्रधानाचार्या गुंजन खत्री द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रबंधक ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की प्राचार्या गुंजन खत्री ने किया।

SBI से लोन लेने के लिए अब भटकना नही पड़ेगा ग्राहकों को'।

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

लोन की त्वरित प्रोसेसिंग के लिए मिनी आरएसीपीसी का वर्चुअल रुप से मुख्य महाप्रबन्धक लखनऊ मंडल शरद रा. चांडक के द्वारा किया गया उद्घाटन। वर्चुअल उद्घाटन के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार यादव,मुख्य प्रबन्धक रमन कुमार झा, गौरव श्रीवास्तव रहे मौजूद'।ठ' मुख्य प्रबन्धक रमन कुमार झा का बयान।ग्राहको को कम समय में लोन की मिलेगी सुविधा। हाउसिंग व पर्सनल लोन की होंगी प्रोसेसिंग। लोन के लिए लोगो को अपनी निकटतम शाखा से सम्पर्क करना होगा। वहां से जो पेपर कहा जायेगा उसे लेकर यहां सम्मिट करना होगा। सम्मिट करने के हफ्ते से दस दिन के भीतर उनका लोन यहां प्रोसेस हो जायेगा।शहर के सिविल लाइन मे स्थित है SBI का क्षेत्रीय कार्यालय।

अवैध संबंधों को लेकर भतीजे ने चाचा की हत्या की

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। सांडी थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव में अवैध संबंधों और रुपयों के लेनदेन को लेकर भतीजे ने चाचा की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र कुमार के अनुसार मदारपुर निवासी गंगाराम (45) खेती करता था। 15 दिन पहले उसने छह लाख रुपये में डेढ़ बीघा खेत बेच दिया था। गंगाराम अविवाहित था। उसके संबंध पड़ोसी गांव देईचोर निवासी एक महिला से थे। खेत बेचने से मिले रुपये गंगाराम ने उसी महिला को दे दिए थे।

वहीं, गंगाराम का भतीजा पवन उन रुपयों पर अपना हक जता रहा था। इसको लेकर कई दिनों से विवाद था। सोमवार रात पवन ने अपने चाचा गंगाराम को घर बुलाया। घर पर जमकर शराब पी गई। शराब पीने के दौरान ही रुपयों के लेन–देन और अवैध संबंधों को लेकर चाचा–भतीजे के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान पवन ने कुल्हाड़ी मारकर गंगाराम की हत्या कर दी। घटना की जानकारी पर आधी रात के बाद लगभग दो बजे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। गांव से ही आरोपी को भी हिरासत में ले लिया गया।

पुरानी पेंशन को लेकर शिक्षक और कर्मचारियों का मोर्चा 30 अगस्त तक सांसदों के घर की घंटी बजाएगा : जैनुल खां

हरदोई,आज अटेवा पेंशन बचाओ मंच के जिलाध्यक्ष डा. जैनुल खान ने कहा कि 09 अगस्त से निजीकरण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उसी क्रम में पुरानी पेंशन के साथ आंदोलन को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने दलील दी कि देश के कई राज्यों ने अपने यहां पुरानी पेंशन की घोषणा कर दी है। ऐसे में यूपी समेत तमाम राज्य जहां अभी नई पेंशन नीति चल रही है। उसको बदलने के लिए हम आर–पार की लड़ाई लड़ेंगे।

30 अगस्त तक सांसद के घर की बजाओ घंटी अभियान चलाया जाएगा।तत्पश्चात

01 अक्टूबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में पेंशन शंखनाद रैली होगी।

श्री खां ने बताया कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य में पुरानी पेंशन बहाल हो चुकी है। कई राज्यों में बातचीत चल रही है। जिन राज्यों ने अपने ही पुरानी पेंशन का ऐलान किया है, उन सभी जगह पर गैर बीजेपी सरकार है। केंद्र के स्तर पर भी कर्मचारी संगठन साझा आंदोलन चलाने की तैयारी कर रहे हैं।

उनका आरोप है कि नई पेंशन नीति धोखा है। हर राज्य को अपने यहां पुरानी पेंशन लागू करने का अधिकार है। योगी आदित्यनाथ इसकी पैरवी कर चुके हैं। इस आधार पर यूपी में भी पुराने पेंशन नीति उनको लागू कर देनी चाहिए। इससे लाखों कर्मचारियों को राहत मिलेगी। नई पेंशन में रिटायर होने के बाद लोगों को 2 से 5 हजार रुपए तक पेंशन मिलता है। जबकि पुराने में लोगों को सैलरी का 50 फीसदी मिलता है। उसके बाद यह बढ़ता ही जाता है। ब्लॉक अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की अगुवाई में कई माध्यमिक विद्यालयों व संकुलों का दौरा किया गया तथा पेंशन बहाली के आंदोलन के संघर्ष में साथ आने की अपील की गई।

दौरे में जिले से जिलामहामंत्री सायुज्य मिश्रा, मीडिया प्रभारी राजीव कुमार तथा आदि मौजूद रहे।आज जिन विद्यालयों का भ्रमण किया गया , उनमें राष्ट्रपिता म्युइण्टर कॉलेज शाहाबाद,नेहरू म्युकन्या इण्टर कॉलेज शाहाबाद,राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज टोडरपुर, आशुतोष उ.मा. विद्यालय सहादतनगर आदि प्रमुख रहे। पुरानी पेंशन बचाओ आंदोलन में सहभागिता के लिए शिक्षिका सरिता रानी, वैशाली यादव, वंदना दीक्षित, रुचि पांडेय, वर्तिका शुक्ला, ऊषा देवी, पुष्पांजली श्रीवास्तव आदि ने हुंकार भरी इस अवसर पर प्रधानाचार्या नूरुल हुमा मौजूद रहीं।

गर्ल्स हॉस्टल में सिलेंडर में ब्लास्ट,आग देख छात्रा बाहर निकली, मचा हडकंप

संवाददाता

लखनऊ। हजरतगंज नरही स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में सोमवार दोपहर छोटे सिलेंडर में खाना बनाते वक्त आग लग गई। सिलेंडर में आग देख वहां मौजूद एक छात्रा ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए। वहीं हॉस्टल में मौजूद अन्य छात्रा समेत दोनों को बाहर निकाला गया। इसी दौरान सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतनी तेज था कि रसाई घर का दरवाजा और खिड़की उखड़ गए। आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। नरही निवासी वकार चार मंजिल के घर में गर्ल्स हॉस्टल चलाते हैं। जिसमें ग्राउंड फ्लोर पर उनकी किराना स्टोर की दुकान है। सोमवार दोपहर करीब एक बजे दो लड़कियां घर में आग लगने की बात कहते हुए तेजी से सीढ़ी की तरफ भागी। लोग कुछ समझते इससे पहले ही तेज ब्लास्ट हो गया। चीखपुकार के बीच आसपास के लोग बाहर निकल आए। धमाका इतनी तेज किचन का दरवाजा, खिड़की और हॉस्टल में लगे कांच टूट गए। गनीमत रही कि हादसे के दौरान हॉस्टल में मौजूद आकांक्षा और संजना समय रहते बाहर आ गई। वहीं अन्य छात्राएं कोचिंग और कॉलेज गई हुई थीं। श्रावस्ती निवासी आकांक्षा मौर्या इसी साल नीट परीक्षा की तैयारी करने के लिए लखनऊ आई थी। उन्होंने बताया कि दोपहर को वह किचन में खाना बना रही थी। गैस पर दाल चढ़ाने के बाद वॉशरूम चली गई।

एस0 एन0 इण्टर कॉलेज नगराम ने फाइनल में प्रवेश किया

संवाददाता

लखनऊ। बप्पा श्री नारायण मेमोरियल सेवन–ए–साईड कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत आज पहले सेमी फाइनल मैच में एस0 एन0 इण्टर कॉलेज नगराम ने गत वर्ष की विजेता सेठ एम0 आर0 जयपुरिया कॉलेज को 4–2 गोल से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के शुरु होते ही एस एन कॉलेज के संतोष ने तीसरे मिनट में ही गोलकर बढ़त बनाई परन्तु ये बढ़त ज्यादा देर नही रही और जोरदार पलटवार करते हुए जयपुटिया कॉलेज के शोमिल ने 6वें मिनट में गोल कर स्कोर को बराबर किया दोनो टीम एक दूर पर जोरदार आक्रमण करते रहे एस0 एन0 कॉलेज के लक्ष्मण ने 14वें मिनट में गोल कर 2–1 से बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में एस0 एन0 कॉलेज नए जोश के साथ उतरी और संतोष व प्रियांशु ने 26वें व 32वें मिनट में 1–1 गोल किया जयपुरिया के हर्ष ने 36वें मिनट में गोल किया। इस प्रकार गत वर्ष की विजेता रही जयपुरिया कॉलेज का विजय रथ को रोक कर एस0 एन0 स्कूल ने 4–2से मैच को जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल मैच में माध्यमिक विद्यालय इण्टर कॉलेज तोपखाना ने गत वर्ष की उपविजेता व मेजबान बी0 एस0 एन0 वी इण्टर कॉलेज को 2–0 से मात देकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। मेजबान बी0 एस0 एन0 वी0 इण्टर कॉलेज की टीम माध्यमिक विद्यालय के जबरदस्त रक्षात्मक घेरे को भेदने में पूरी तरह नाकाम रही।

स्व. कल्याण सिंह जी की पुण्यतिथि पर महापौर ने अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिमांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनकी द्वितीय पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महापौर ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व कल्याण सिंह जी को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

एस0के0डी हास्पिटल की चौदहवीं वर्षगांठ के अवसर पर चिकित्सकीय निदेशक डॉ0 आशीष द्वारा वृन्दावन क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक से युक्त नये सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की अगले वर्ष शुभारंभ करने की घोषणा

विभिन्न क्षेत्रों में कई निःशुल्क शिविर लगाकर चिकित्सा सेवायें भी प्रदान कीं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.के.डी. हॉस्पिटल ने अपनी 14वीं वर्षगांठ पूरे होने पर वृन्दावन क्षेत्र में आगामी वर्ष में अत्याधुनिक तकनीक से युक्त सुपर स्पेशिलटी हॉस्पिटल के शुभारंभ की घोषणा की। विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करके वर्षगाँठ को सेलिब्रेट किया। एस.के.डी. ग्रुप ने 14 वर्ष पूर्व 22 अगस्त को चिकित्सा के क्षेत्र में शुरूआत की। चौदह वर्ष की समयावधि में एस.के.डी. हॉस्पिटल ने लखनऊ व अन्य क्षेत्रों में कई जटिल ऑपरेशन कर स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं के क्षेत्र में अपना परचम लहराया। एस.के.डी. हॉस्पिटल के चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह ने बताया गत वर्षों की भाँति हमने हॉस्पिटल की वर्षगाँठ के पूर्व शहर व आसपास के क्षेत्रों में लगातार निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाये व निःशुल्क चिकित्सा सेवायें प्रदान की। इस कार्य में एसकेडी हॉस्पिटल के सभी चिकित्सक विशेषज्ञों ने बढ़चढ़ कर सेवा करने का प्रयास किया व इन सभी शिविरों को सफल बनाने का प्रयास किया। जिसका उद्देश्य था कि स्थानीय निवासियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

संस्थापक एस के डी सिंह, संस्थापक निदेशक मनीष सिंह व चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह (ड.ॅ. व्तजीव) के कुशल निर्देशन में एस. के. डी. हास्पिटल ने अपने चौदह वर्ष के सफर में भारत के सभी महात्वपूर्ण सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों से एमपैनलमेन्ट किया है जैसे आयुष्मान योजना, एयरपोर्ट, रेलवे, यू.पी.पी.सी.एल, बी.एस.एन.एल, सी.जी.एच.एस, ए.ए.आई, एफ.सी.आई., मेडीकेर टी.पी.ए. सर्विसेज प्रा. लि., आदि। इस वर्ष 22 अगस्त 2023 को एस0 के0 डी0 हास्पिटल में चौदह वर्ष के पूरे होने के अवसर पर पूजा एवं हवन का आयोजन भी किया गया। चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह के अनुसार पिछले चौदह वर्षों के दौरान यहाँ चिकित्सकों की टीम ने जोड़ प्रत्यारोपण एवं स्पाइन सर्जरी से सम्बन्धित कई जटिल आपरेशन सफलतापूर्वक किये। साथ ही यहाँ पर गतवर्ष ऑक्सीजन प्लान्ट भी स्थापित किया गया जो सेल्फ जेनरेटेड है।

एस के डी हास्पिटल मल्टीस्पेशियलटी हास्पिटल हैं जोकि अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ कॉस्ट एफेक्टिव भी है जिसके परिणामस्वरूप आज यह इलाज के लिए लोगों की प्राथमिकता है। हमारे हास्पिटल लगभग 50000 से भी अधिक सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गये है। एस0के0डी हास्पिटल को छ ।ठभ् (नेषनल एक्रेडियषन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) प्री एंट्री लेवल में मान्यता प्राप्त की है। इस उपलब्धि के साथ विश्वास, जवाबदेही एवं सुरक्षा के साथ हमारे रोगियों के स्वास्थ्य देखभाल में और अधिक सुधार होगा।

एस.के.डी हॉस्पिटल ने डॉ आशीष सिंह के नेतृत्व में विशिष्ठ डॉक्टरों की टीम के साथ मिलकर आई.वी.पी., पेसमेकर, एन.आई.सी.यू., ज्वाइण्ट रिप्लेसमेंण्ट, ऑर्थोस्कोपी, कार्डियोलॉजी, चेस्ट एण्ड टी.बी, ऑब्सटेरिक्स एण्ड गाइनकोलॉजी, जेनरल मेडिसिन एण्ड सर्जरी, पैडियेट्रिक एण्ड वर्ल्ड क्लास एन.आई.सी.यू., मॉड्यूलर वेण्टीलेटर एण्ड कैथ लैब, एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्टी, डायलेसिस जैसी प्रमुख सुविधायें प्रदान कर अपनी अलग पहचान बनाई है।

ग्रुप के संस्थापक निदेशक मनीष सिंह ने वहाँ उपस्थित एस.के.डी. हास्पिटल की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं व कहा कि, ''यह हमारी पूरी चिकित्सकों व हॉस्पिटल स्टॉफ की मेहनत का नतीजा है कि हॉस्पिटल ने इतने कम समय में चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान कायम की है। चिकित्सीय निदेशक डा0 आशीष सिंह को भी विभिन्न संस्थानों द्वारा उनके चिकित्सा के क्षेत्र में किये गये प्रयासों के लिए सराहा गया व सम्मानित किया गया है साथ ही मनीष सिंह ने अत्यन्त हर्षपूर्वक डॉ आशीष सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह हॉस्पिटल और ऑक्सीजन प्लांट हम सभी के लिए एक बहुत बड़ा दायित्व है। ''शिक्षा व स्वास्थ्य दोनों क्षेत्र ऐसे हैं, जिसके द्वारा हम समाज की सफलतम रचना में सहयोग कर सकते हैं व जिसमें जनहित में कार्य करने की संभावनायें अपार हैं अतः हमारी सदैव कोशिश रहेगी की जनता का एस के डी ग्रुप पर जो विश्वास कायम है हम उसे भविष्य में भी कायम रखें व उनका सहयोग प्राप्त करते रहें।'' एसकेडी हॉस्पिटल की डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती तृप्ती सिंह को भी हॉस्पिटल की अच्छी सुविधा निरंतर प्रदान करने के लिए व प्रबंधन के लिए शुभकामनाएं दीं। ''अंत में स्वस्थ मनुष्य द्वारा ही स्वस्थ देश का निर्माण संभव है'' का संदेश दिया।

शालीमार गैलेंट वेस्ट में रूफ टैरेस लेवल पर होंगी सभी सुविधाएं

टेरेस लेवल पर सभी मुख्य सुविधाएं देने वाला शहर का पहला रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दशकों से रेजिडेंशियल और कमर्शियल रियल एस्टेट में खरीददारों और निवेशकों की उम्मीद पर खरा उतरता शालीमार ग्रुप, लखनऊ का सबसे भरोसेमंद रियल एस्टेट ब्रांड बन चुका है। शालीमार ग्रुप महानगर इलाके में लखनऊ की पारंपरिक शाही शानो शौकत को जीवंत करने के लिए अपने ग्राहकों के लिए शालीमार गैलेंट वेस्ट पेश कर रहा है जिसमें सभी मुख्य सुविधाएं जैसे स्विमिंग पूल, वेलनेस जोन, सोशल जोन, हैंगआउट जोन आदि टेरेस लेवल पर उपलब्ध होंगे।

शालीमार कॉर्प के होल टाइम डायरेक्टर, श्री खालिद मसूद ने कहा, ष्हम घर खरीदने के इच्छुक खरीदारों के लिए शालीमार गैलेंट वेस्ट पेश करते हुए काफी उत्साहित हैं। यह प्रोजेक्ट शालीमार समूह की शानदार विरासत का अभिन्न अंग है। हमें पूरी उम्मीद है महानगर में विकसित यह रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट रहने के लिए सबसे अच्छे शहरी परिवेश में विकसित होगा।

शालीमार गैलेंट वेस्ट में भविष्य की योजनाबद्ध आवासीय इकाइयों में कुल (71) अपार्टमेंट हैं जो 2363 वर्ग फुट के कार्पेट एरिया और 4090 वर्ग फुट के सुपर एरिया के साथ विशाल रहने की जगह प्रदान करते हैं। इनमें आयातित संगमरमर, ऐक्रेलिक इमल्शन और पीओपी वर्क का उपयोग पूरे अपार्टमेंट के सम्पूर्ण भव्यता में योगदान देते हैं। यहां रहने के अनुभव को और अधिक सुरक्षित बनाने के के लिए सभी रेजिडेंशियल यूनिट्स के मुख्य दरवाजे बायोमेट्रिक ताले के साथ प्रीमियम–गुणवत्ता वाले फ्रेम से बने हुए हैं।

शालीमार गैलेंट वेस्ट प्रोजेक्ट के डिजाइन में साइट पर उपलब्ध 2.01 एकड़ क्षेत्र का बेहद प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया है। दो टावर्स को जोड़ने के लिए एक स्काई ब्रिज का निर्माण किया गया है। साथ ही ग्राउंड और टेरेस लेवल पर यहां के निवासियों के लिए कई सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

शालीमार गैलेंट वेस्ट की इमारतें न केवल लक्जरी जीवन की सुविधाएँ प्रदान करती हैं बल्कि आसपास सुंदर हरा–भरा वातावरण, वहां रहने वाले लोगों को सुकून प्रदान करता है।शालीमार गैलेंट वेस्ट की कनेक्टिविटी लखनऊ के सभी प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स और व्यापारिक केंद्रों से बेहद सुगम है।

मेडिकल कॉलेज में डिजिटल एक्सरे-मशीन में उतरा करंट

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।अयोध्या। रुदर्शननगर स्थित रुराजर्षि रुदशरथ रुमेडिकल रुकॉलेज में आएदिन जांच मशीनों में गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। अभी कुछ ही दिन पहले थायराइड व हार्मोन की जांच मशीन ठप हो गई थीं। सोमवार को मेडिकल कॉलेज में लगी डिजिटल एक्सरे मशीन में करंट उतर आया। आनन–फानन एक्सरे मशीन का संचालन बंद कराया गया। यहां लगभग सौ एक्सरे रोज होते हैं।

मेडिकल कॉलेज में प्रथम तल पर 100 एमए की डिजिटल एक्सरे मशीन लगी है। सुबह जब कर्मचारी एक्सरे मशीन को स्टार्ट करने गया तो उसे करंट का आभास हुआ। इसके बाद सारे कर्मी बाहर आ गए और सामने वाले केबिन में जाकर बैठ गए। थोड़ी देर बाद उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई। इस बीच एक कर्मी सीएमएस के केबिन में मशीन की शिकायत डालने चला गया, लेकिन वह नहीं मिले। इसके बाद पूरे दिन एक्सरे मशीन ठप रही।

न्यायालय के आदेश पर दो आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।बीकापुर– अयोध्या न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस द्वारा गांव के ही निवासी दो आरोपियों के विरुद्ध गाली गलौज करने मारने पीटने धमकी देने तथा दलित एक्ट में केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के सहावा गांव निवासी श्यामकली पत्नी रामकुमार द्वारा बताया गया कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। आरोप है कि 11 जनवरी 2023 को रात करीब 8 बजे रात वह घर के पास ग्राम प्रधान के यहां गई थी। इसी दौरान वहां गांव के निवासी विपक्षीगण बलराम उर्फ भोलू व रामबाबू आए थे इसी दौरान आपसी कहासुनी होने के बाद दोनों आरोपियों द्वारा जाति सूचक गाली देना शुरू कर दिया। मना करने पर आरोपी बलराम व रामबाबू उनको डण्डे व लात मूंका से मारने लगे। हल्ला गुहार मचाने पर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच–बचाव किया। तब उनकी जान बची। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। हमले में उन्हें गंभीर चोटे आई थी। घटना के बाद बीकापुर कोतवाली में शिकायत पत्र दिया लेकिन ना तो उनकी रिपोर्ट दर्ज की गई और ना ही मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसके बाद जिला अस्पताल में जाकर मेडिकल परीक्षण और दवा उपचार कराया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत पत्र देकर शिकायत की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। फिर न्यायालय की शरण लेना पड़ा।

ससुराल पक्ष पर देह व्यापार का आरोप

अयोध्या (काइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।अयोध्या –रौनाही थाने की सत्तीचौरा चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों पर जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की मां ने बताया कि दो वर्ष पूर्व कलाफरपुर निवासी युवक ने शादीशुदा होने के बावजूद उसकी बेटी को बहला–फुसलाकर गोवा लेकर चला गया था। पुलिस से शिकायत करने पर आरोपी ने तहसील पहुंचकर नोटरी शपथ पत्र के जरिए विवाह का हलफनामा थाने में दाखिल कर दिया था। आरोप है कि पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों ने पीड़ित महिला के साथ मारपीट कर जबरन देह व्यापार कराने का प्रयास किया है। थाना प्रभारी ओपी राय ने बताया कि मामले में सात लोगों पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

'लाभार्थी अपना आधार सीडिंग/एन०पी०सी०आई० मैपिंग करायेः-:ऋृचा गुप्ता

'हरदोई' जिला समाज कल्याण अधिकारी ऋृचा गुप्ता ने बताया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत वर्ष 2023–24 में आधार बेस्ड भुगतान किया जाना है। निदेशालय स्तर से 16601 ऐसे लाभार्थियों की सूची प्राप्त हुई है, जिन्होंने अपने बैंक खाते से आधार सीडिंगध्एन०पी०सी०आई० मैपिंग नहीं कराया गया है। उन्होनें कहा कि ऐसे लाभार्थी अपनी बैंक पासबुक के साथ अपना मोबाइल व आधार कार्ड की मूल प्रति लेकर सम्बन्धित बैंक में जाकर आधार सीडिंगध्एन०पी०सी०आई० मैपिंग कराना सुनिश्चित करें। जिन लाभार्थियों के खातों से आधार सीडिंगध्एन०पी०सी०आई० मैपिंग नहीं है उसकी सूची सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, (स०क०) एवं पंचायत सहायक के पास में उपलब्ध है।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अगस्तः- पीके शुक्ल'

'हरदोई' प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय पिहानी प्रमोद कुमार शुक्ल ने बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय हरदोई में कक्षा 06 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म वेबसाइट दंअवकलं.हवअ.पद पर दिए गए लिंक पर उपलब्ध है।

फिर गहराया पटना मंदिर का विवाद, सात पर केस

अयोध्या (काइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।कोतवाली अयोध्या के तुलसी उद्यान के निकट स्थित 150 वर्ष पुराने पटना मंदिर का विवाद एक बार फिर गहरा गया है। मंदिर के वारिस होने का दावा करने वाले बिहार के गोपालपुर निवासी अरुण किशोर शरण ने मंदिर में ही रहने वाले कुछ लोगों पर फर्जी वसीयत व कूटरचित दस्तावेज के आधार पर मंदिर को अपने नाम कराने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने सात लोगों पर केस दर्ज किया है।

अवध किशोर शरण का आरोप है कि हमारे पूर्वजों ने उक्त मंदिर में पुजारी के रूप में नागेश्वर मिश्र को रखा था। वर्ष 1974 तक हमारे पूर्वज लखन किशोर शरण मंदिर की देखभाल के लिए पटना से अयोध्या आया करते थे। उनकी मृघ्त्यु के बाद पुजारी स्व. नागेश्वर मिश्र के पुत्र विश्वनाथ मिश्र, उनके पुत्र राजनंदन मिश्र, जनकनंदन मिश्र व बृजनंदन मिश्र ने साजिश रचकर लखन किशोर शरण की एक अपंजीकृत वसीयत तैयार कराई। इसमें 10 अगस्त 1971 की तिथि अंकित की गई। इसमें देवी प्रसाद पांडेय, हरिशंकर लाल के गवाह के रूप में हस्ताक्षर हैं। इस वसीयत में न तो लेखक का नाम है, न ही किसी के पिता का नाम व पता लिखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि यह वसीयत फर्जी है। आरोप लगाया कि लखन किशोर शरण की मृघ्त्यु के लगभग 23 वर्ष बाद 23 सितंबर 1998 में विश्वनाथ मिश्र ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में तत्कालीन नगर पालिका अयोध्या में अपना नाम दर्ज करवा लिया। बताया कि स्व. नागेश्वर मिश्र के तीसरे बेटे रघुनाथ मिश्र व उनका बेटा राजकुमार मिश्र जो मंदिर के वास्तविक पुजारी हैं, उन्होंने इसकी जानकारी उन्हें दी। आरोप लगाया कि अब सभी आरोपी उन्हें मंदिर में आने से रोकते हैं व गाली–गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हैं। तहरीर के आधार पर कोतवाली अयोध्या पुलिस ने विश्वनाथ मिश्र, राजनंदन मिश्र, जनक नंदन मिश्र, बृजनंदन मिश्र, देवी प्रसाद पांडेय, हरिशंकर विश्वकर्मा व गंगा प्रसाद तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। ध्यान रहे कि इस मंदिर को लेकर कई साल से विवाद चला आ रहा है।

दो दिन मनाया जाएगा राखी का त्योहार, राशि अनुसार करें उपाय, मजबूत होगा प्यार का बंधन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।सनातन धर्म में सभी त्योहारों का बहुत अधिक महत्व है। हर पर्व की अपनी अलग विशेषताएं हैं। होली, दिवाली, दशहरा, रक्षाबंधन आदि पर्व हमारे देश में बहुत ही धूमधाम से मनाए जाते हैं। रक्षाबंधन भाई–बहन के प्यार का प्रतीक है और यह त्योहार हर साल सावन माह की पूर्णिमा पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी यानी कि रक्षा सूत्र बांधती हैं और अपने भाइयों की दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहनों को बदले में उपहार देते हैं और उम्र भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, रक्षाबंधन का पर्व हमेशा भद्रा रहित समय में मनाया जाना चाहिए क्योंकि भद्रा काल में शुभ व मांगलिक कार्य करना वर्जित माना जाता है। इस साल भद्रा होने के कारण रक्षाबंधन का पर्व एक नहीं बल्कि दो दिन मनाया जाएगा। जानते हैं रक्षाबंधन 2023 की तिथि, मुहूर्त, इस दिन क्या करें क्या न करें, राशिनुसार उपाय व और भी बहुत कुछ।

रक्षाबंधन 2023रू तिथि व मुहूर्त

इस साल रक्षाबंधन का त्योहार 30 और 31 अगस्त दोनों दिन मनाया जाएगा। हालांकि, भद्रा होने की वजह से त्योहार 30 अगस्त की रात और 31 अगस्त की सुबह तक मनाया जाएगा।

पूर्णिमा तिथि का प्रारंभरू

30 अगस्त 2023 की सुबह 11 बजे से

पूर्णिमा तिथि का समापनरू

31 अगस्त की सुबह 07 बजकर 07 मिनट तक

भद्रा की शुरुआतरू

30 अगस्त की सुबह 11 बजे से

भद्रा की समाप्तिरू

30 अगस्त की रात 09 बजकर 03 मिनट पर

राखी बांधने का मुहूतर्रू

30 अगस्त की रात 09 बजकर 03 मिनट से 31 अगस्त 2023 की सुबह 07 बजकर 07 मिनट तक।

रक्षा बंधन पर क्या करें क्या न करें

रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधते वक्त लोग कई बड़ी गलतियां कर जाते हैं। रक्षा सूत्र बांधते वक्त आपको कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आइए जानते हैं इस दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

भूलकर भी न करें ये काम

रक्षाबंधन के दिन भाई की कलाई पर काले रंग की राखी, खंडित राखी, प्लास्टिक की राखी और अशुभ चिह्नों वाली राखी बांधने से बचना चाहिए। भाई की कलाई पर ऐसी राखी को बांधना अशुभ माना जाता है।

रक्षाबंधन पर राहुकाल और भद्रा काल में राखी बांधने से बचना चाहिए क्योंकि इस अवधि को बेहद अशुभ माना जाता है और इस काल में राखी बांधने से परिणाम हमेशा नकारात्मक ही मिलता है।

इस दिन अपनी बहन को किसी भी प्रकार से नाराज न करें।

याद रखें कि राखी बांधते वक्त भाई का मुख दक्षिण दिशा में न हो।

भाई–बहन एक–दूसरे को उपहार में रुमाल, तौलिया, परफ्यूम और नुकीली चीजें नहीं देना चाहिए।

भाई का तिलक करते वक्त टूटे चावल का उपयोग न करें।

इस दिन भाई या बहन को काले रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए न ही इस रंग का इस्तेमाल करना चाहिए।

रक्षाबंधन पर जरूर करें ये काम

राखी बांधते समय दिशा का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान भाई का मुख पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए जबकि बहन का मुख पूर्व या पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।

रक्षाबंधन पर भाई की कलाई में राखी बांधने से पहले माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा जरूर करें।

इस पवित्र दिन भाई–बहन मिलकर गरीबों और जरूरतमंदों को दान जरूर करें। ऐसा करने से भाई–बहन का रिश्ता मजबूत होता है।

रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाई को राखी बांधने से पहले भगवान श्रीकृष्ण को पीला या लाल रंग का रक्षा सूत्र जरूर बांधे।

बहनों को भाई की कलाई पर राखी बांधते वक्त तीन गांठ लगानी चाहिए।

रक्षाबंधन पर राखी बांधते समय भाई के सिर पर कपड़ा जरूर रखें।

रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी बहनों उपहार जरूर देना चाहिए।

राखी बांधते समय तीन गांठ का महत्व

माना जाता है कि राखी बांधते समय बहनों को अपने भाई की कलाई पर तीन गांठ बांधनी चाहिए। तीन गांठ लगाने का अपना अलग धार्मिक महत्व है। धार्मिक शास्त्रों में इसका संबंध ईश्वर से बताया गया है। मान्यता है कि तीनों गांठ का संबंध तीन देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश से हैं और यह उन्हें ही समर्पित है। ऐसे में, पहली गांठ भाई की उम्र के लिए, दूसरी गांठ खुद की लंबी उम्र के लिए और तीसरी गांठ भाई–बहन के बीच प्यार भरे रिश्ते का प्रतीक है।

रक्षाबंधन पर राशि अनुसार करें उपाय, मजबूत होगा आपका रिश्ता।

एस0के0डी हास्पिटल की चौदहवीं वर्षगांठ के अवसर पर चिकित्सकीय निदेशक डॉ0 आशीष द्वारा वृन्दावन क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक से युक्त नये सुपर स्पेशलिटी हश्वस्पिटल की अगले वर्ष शुभारंभ करने की घोषणा

विभिन्न क्षेत्रों में कई निःशुल्क शिविर लगाकर चिकित्सा सेवायें भी प्रदान कीं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.के.डी. हॉस्पिटल ने अपनी 14वीं वर्षगांठ पूरे होने पर वृन्दावन क्षेत्र में आगामी वर्ष में अत्याधुनिक तकनीक से युक्त सुपर स्पेशिलटी हॉस्पिटल के शुभारंभ की घोषणा की। विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करके वर्षगाँठ को सेलिब्रेट किया। एस.के.डी. ग्रुप ने 14 वर्ष पूर्व 22 अगस्त को चिकित्सा के क्षेत्र में शुरूआत की। चौदह वर्ष की समयावधि में एस.के.डी. हॉस्पिटल ने लखनऊ व अन्य क्षेत्रों में कई जटिल ऑपरेशन कर स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं के क्षेत्र में अपना परचम लहराया। एस.के.डी. हॉस्पिटल के चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह ने बताया गत वर्षों की भाँति हमने हॉस्पिटल की वर्षगाँठ के पूर्व शहर व आसपास के क्षेत्रों में लगातार निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाये व निःशुल्क चिकित्सा सेवायें प्रदान की। इस कार्य में एसकेडी हॉस्पिटल के सभी चिकित्सक विशेषज्ञों ने बढ़चढ़ कर सेवा करने का प्रयास किया व इन सभी शिविरों को सफल बनाने का प्रयास किया। जिसका उद्देश्य था कि स्थानीय निवासियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

संस्थापक एस के डी सिंह, संस्थापक निदेशक मनीष सिंह व चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह (ड.ॅ. व्तजीव) के कुशल निर्देशन में एस. के. डी. हास्पिटल ने अपने चौदह वर्ष के सफर में भारत के सभी महात्वपूर्ण सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों से एमपैनलमेन्ट किया है जैसे आयुष्मान योजना, एयरपोर्ट, रेलवे, यू.पी.पी.सी.एल, बी.एस.एन.एल, सी.जी.एच.एस, ए.ए.आई, एफ.सी.आई., मेडीकेर टी.पी.ए. सर्विसेज प्रा. लि., आदि। इस वर्ष 22 अगस्त 2023 को एस0 के0 डी0 हास्पिटल में चौदह वर्ष के पूरे होने के अवसर पर पूजा एवं हवन का आयोजन भी किया गया। चिकित्सीय निदेशक डॉ0 आशीष सिंह के अनुसार पिछले चौदह वर्षों के दौरान यहाँ चिकित्सकों की टीम ने जोड़ प्रत्यारोपण एवं स्पाइन सर्जरी से सम्बन्धित कई जटिल आपरेशन सफलतापूर्वक किये। साथ ही यहाँ पर गतवर्ष ऑक्सीजन प्लान्ट भी स्थापित किया गया जो सेल्फ जेनरेटेड है।

एस के डी हास्पिटल मल्टीस्पेशियलटी हास्पिटल हैं जोकि अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ कॉस्ट एफेक्टिव भी है जिसके परिणामस्वरूप आज यह इलाज के लिए लोगों की प्राथमिकता है। हमारे हास्पिटल लगभग 50000 से भी अधिक सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गये है। एस0के0डी हास्पिटल को छ ।ठभ् (नेषनल एक्रेडियषन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) प्री एंट्री लेवल में मान्यता प्राप्त की है। इस उपलब्धि के साथ विश्वास, जवाबदेही एवं सुरक्षा के साथ हमारे रोगियों के स्वास्थ्य देखभाल में और अधिक सुधार होगा।

एस.के.डी हॉस्पिटल ने डॉ आशीष सिंह के नेतृत्व में विशिष्ठ डॉक्टरों की टीम के साथ मिलकर आई.वी.पी., पेसमेकर, एन.आई.सी.यू., ज्वाइण्ट रिप्लेसमेंण्ट, ऑर्थोस्कोपी, कार्डियोलॉजी, चेस्ट एण्ड टी.बी, ऑब्सटेरिक्स एण्ड गाइनकोलॉजी, जेनरल मेडिसिन एण्ड सर्जरी, पैडियेट्रिक एण्ड वर्ल्ड क्लास एन.आई.सी.यू., मॉड्यूलर वेण्टीलेटर एण्ड कैथ लैब, एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्टी, डायलेसिस जैसी प्रमुख सुविधायें प्रदान कर अपनी अलग पहचान बनाई है।

ग्रुप के संस्थापक निदेशक मनीष सिंह ने वहाँ उपस्थित एस.के.डी. हास्पिटल की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं व कहा कि, ''यह हमारी पूरी चिकित्सकों व हॉस्पिटल स्टॉफ की मेहनत का नतीजा है कि हॉस्पिटल ने इतने कम समय में चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान कायम की है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।